RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा -12th | राजनीतिक विज्ञान

ई- पाठशाला

नियोजित विकास की राजनीति

ONE SHOT

पूरा चैप्टर एक ही क्लास में ...

LIVE | 30 SEP | 6:30 PM



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

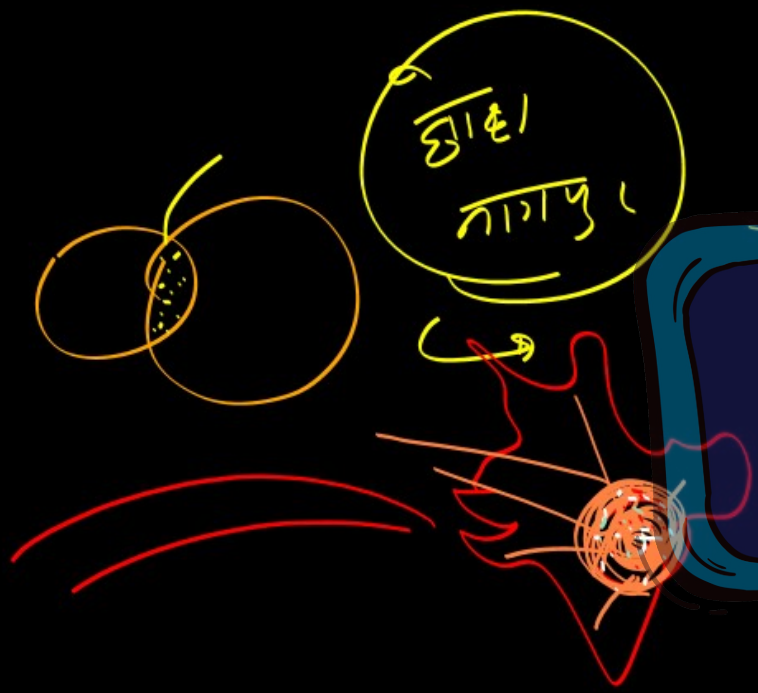


1. पृष्ठभूमि

- स्वतंत्र भारत के सामने राष्ट्र-निर्माण और लोकतंत्र कायम करने के बाद तीसरी बड़ी चुनौती आर्थिक विकास की थी।
- उद्देश्य था—सबकी भलाई सुनिश्चित करना।
- आर्थिक विकास की चुनौती पहले की चुनौतियों की तुलना में अधिक कठिन और गहरी थी।
- आजादी के शुरुआती दो दशकों में आधुनिक भारत के निर्माण में सार्वजनिक क्षेत्र की विकास परियोजनाओं की प्रमुख भूमिका रही।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



2. राजनीतिक फैसले और विकास

I. उड़ीसा का उदाहरण

- विश्व में इस्पात की माँग बढ़ने से उड़ीसा निवेश की दृष्टि से महत्वपूर्ण बना।
- उड़ीसा में लौह-अयस्क का विशाल भंडार मौजूद था।
- राज्य सरकार ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय इस्पात निर्माताओं के साथ सहमति-पत्र किए।
- सरकार की अपेक्षा:
  - पूँजी निवेश बढ़ेगा।
  - रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

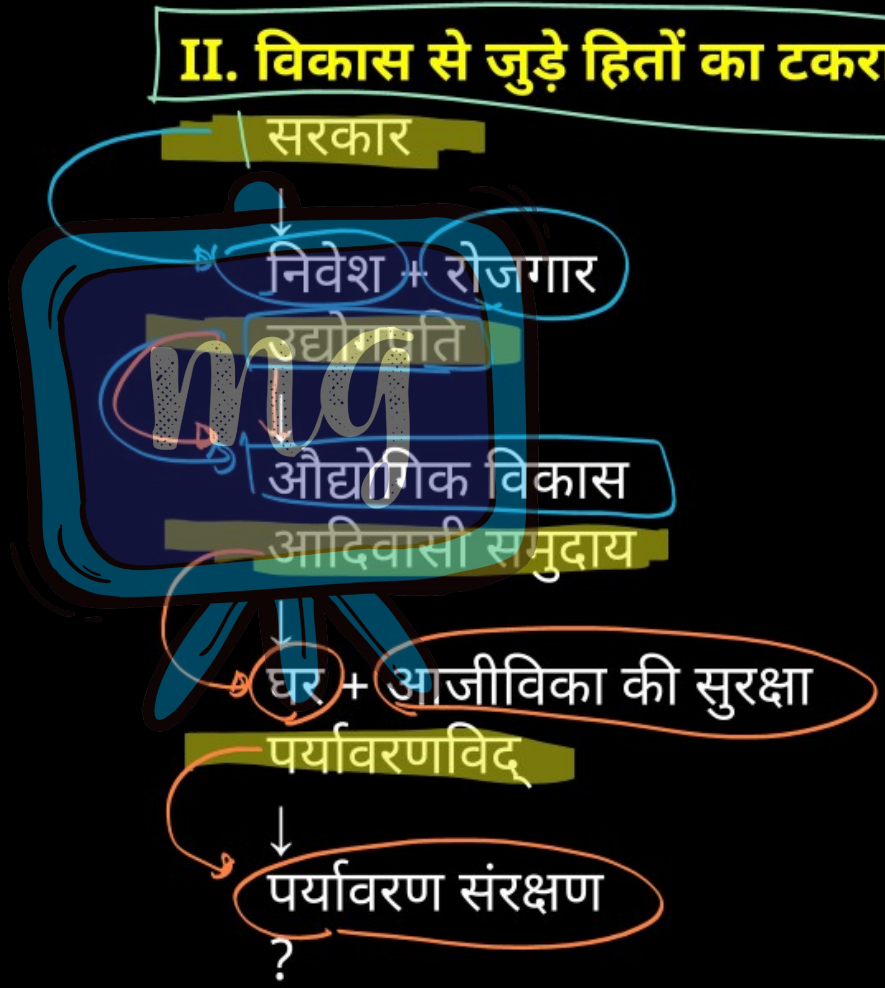


- अधिकांश लौह-अयस्क भंडार आदिवासी-बहुल और अविकसित क्षेत्रों में स्थित थे।
- आदिवासियों की आशंका:
  - विस्थापन
  - आजीविका का नुकसान
- पर्यावरणविदों की आशंका:
  - खनन और उद्योग से पर्यावरण प्रदूषण
- केंद्र सरकार की चिंता:
  - उद्योग की अनुमति न देने से देश में पूँजी निवेश बाधित हो सकता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

II. विकास से जुड़े हितों का टकराव

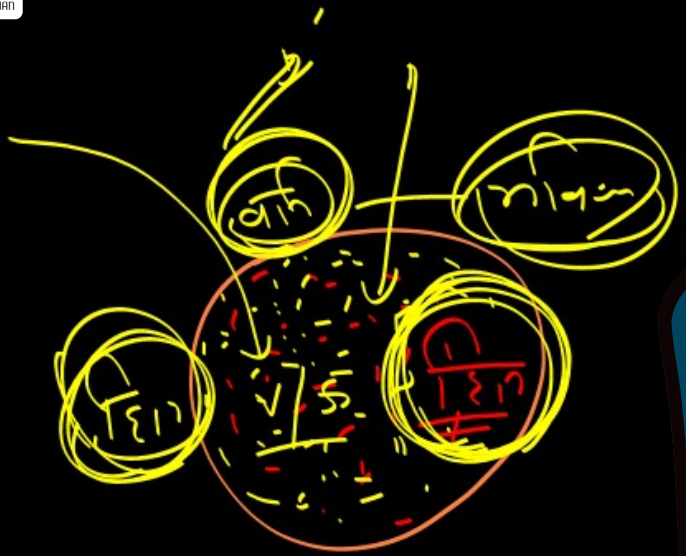


RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

III. पोस्को प्लांट विवाद

- जगतसिंह जिले में प्रस्तावित पोस्को-इंडिया इस्पात संयंत्र का स्थानीय लोगों ने विरोध किया।
- प्रदर्शनकारियों ने कंपनी और उड़ीसा सरकार के बीच हुए सहमति-पत्र को रद्द करने की माँग की।
- मुख्य तर्क:
  - लोगों की जीविका और जीवन की कीमत पर इस्पात संयंत्र नहीं लगाया जाना चाहिए।



IV. विकास संबंधी निर्णय और राजनीतिक टकराव

- विकास संबंधी निर्णय केवल विशेषज्ञों द्वारा तय नहीं किए जा सकते।
- इनमें:
  - एक सामाजिक समूह के हित बनाम दूसरे समूह के हित।
  - वर्तमान पीढ़ी बनाम आने वाली पीढ़ियों के हित।
- विशेषज्ञों की राय महत्वपूर्ण:
  - खनन
  - पर्यावरण
  - अर्थशास्त्र

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- लेकिन अंतिम निर्णय राजनीतिक निर्णय होना चाहिए।
- जन-प्रतिनिधि जनता की भावनाओं को समझते हैं; इसलिए ऐसे फैसले लेने में उनकी प्रमुख भूमिका है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



V. वामपंथ और दक्षिणपंथ

आधार	वामपंथ	दक्षिणपंथ
अर्थव्यवस्था	राज्य नियंत्रण का समर्थन	बाजारमूलक अर्थव्यवस्था का समर्थन
प्रतिस्पर्धा	राज्य विनियमन को प्राथमिकता	खुली प्रतिस्पर्धा को प्राथमिकता
सरकार की भूमिका	अधिक सक्रिय	गैरजरूरी हस्तक्षेप नहीं
प्रमुख विचार	आर्थिक पुनर्वितरण में राज्य की भूमिका	बाजार के माध्यम से प्रगति

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

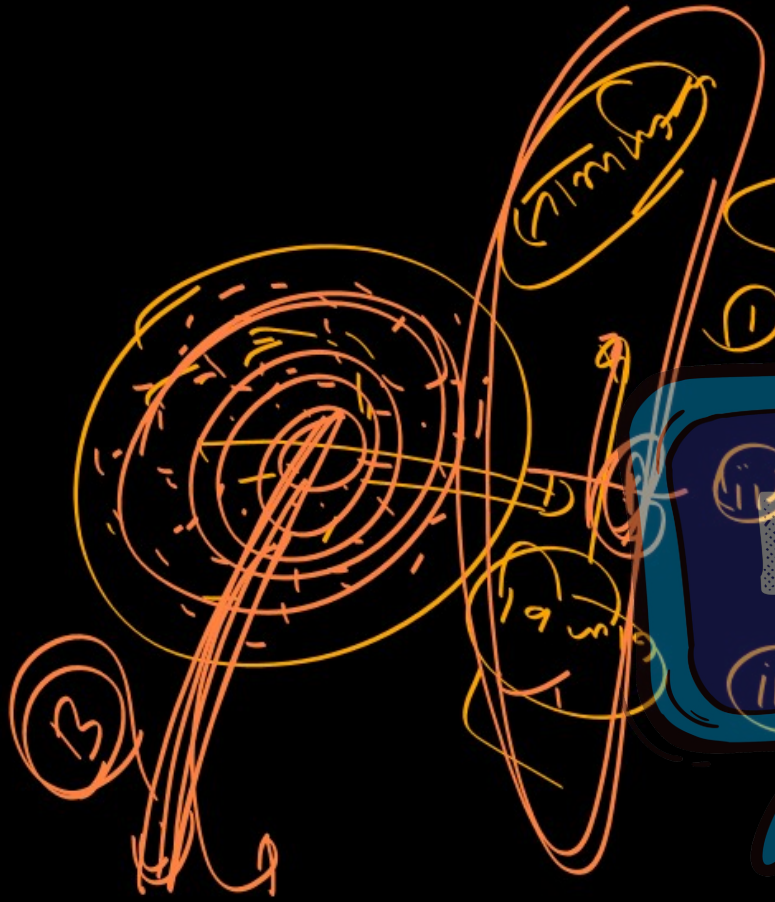
mg missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

VI. स्वतंत्र भारत का विकास-विजन

- आजादी के बाद व्यापक सहमति थी कि भारत के विकास में दो तत्व आवश्यक हैं:
1. विकास =
   आर्थिक संवृद्धि + आर्थिक-सामाजिक न्याय
2. विकास को केवल:
   - व्यवसायियों,
   - उद्योगपतियों,
   - किसानों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता था।
3. सरकार की प्रमुख भूमिका आवश्यक मानी गई।
4. मतभेद इस बात पर थे कि सरकार की भूमिका कितनी और कैसी हो।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



मुख्य विवादित प्रश्न

- क्या पूरे देश के लिए योजना बनाने वाला केंद्रीय संगठन जरूरी है?
- क्या सरकार को महत्वपूर्ण उद्योग स्वयं चलाने चाहिए?
- सामाजिक न्याय और आर्थिक संवृद्धि में टकराव हो तो किसे प्राथमिकता मिले?

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

VII. विकास की धारणा

- सभी समूहों के लिए विकास का अर्थ समान नहीं होता।
- उदाहरण:
  - उद्योगपति के लिए विकास का अर्थ अलग।
  - शहरी इस्पात उपभोक्ता के लिए अलग।
  - आदिवासी समुदाय के लिए अलग।
  - इसलिए विकास संबंधी चर्चा स्वभावतः विवादों से जुड़ी होती है।

VIII. विकास और आधुनिकीकरण

आजादी के बाद के शुरुआती दशक में:

- विकास का पैमाना अक्सर पश्चिमी देशों को माना गया।
- विकास का अर्थ:
  - अधिक से अधिक आधुनिक होना।
- आधुनिकता को जोड़ा गया:
  - संवृद्धि
  - भौतिक प्रगति
  - वैज्ञानिक तर्कबुद्धि

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

❖ देशों को:

1. विकसित,
2. विकासशील,
3. अविकसित

श्रेणियों में देखा जाने लगा।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

IX. आजादी के समय विकास के दो मॉडल

(A) उदारवादी-पूँजीवादी मॉडल

- यूरोप के अधिकांश हिस्सों और संयुक्त राज्य अमेरिका में अपनाया गया।

(B) समाजवादी मॉडल

- सोवियत संघ द्वारा अपनाया गया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



C. भारत की स्थिति

- भारत में विकास के सोवियत मॉडल से अनेक लोग प्रभावित थे।
- इनमें:
  - भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी,
  - सोशलिस्ट पार्टी,
  - कांग्रेस के नेहरू शामिल थे।
- अमेरिकी तर्ज के पूँजीवादी विकास के समर्थक अपेक्षाकृत कम थे।

X. आजादी के आंदोलन से बनी आर्थिक सहमति

राष्ट्रीय नेताओं में स्पष्ट था कि:

- स्वतंत्र भारत के आर्थिक सरोकार अंग्रेजी शासन से अलग होंगे।
- सरकार केवल संकुचित व्यापारिक हितों की पूर्ति नहीं करेगी।
- गरीबी उन्मूलन और सामाजिक-आर्थिक पुनर्वितरण की मुख्य जिम्मेदारी सरकार की होगी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



मुख्य मतभेद

एक पक्ष

→ औद्योगीकरण को विकास का उचित रास्ता मानता था।

दूसरा पक्ष

→ कृषि विकास और ग्रामीण गरीबी दूर करने को अधिक महत्वपूर्ण मानता था।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

'खुली प्रतिस्पर्धा और बाजारमूलक अर्थव्यवस्था' की समर्थक विचारधारा है— [RBSE-2023]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

उदारवादी पूँजीवादी विकास मॉडल का समर्थक देश है—

[RBSE-2026]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

वामपंथ से क्या अभिप्राय है? [RBSE-2024]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

आजादी के समय भारत के सामने विकास के दो मॉडल कौन-से थे?
[RBSE-2025]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के बीच भारत ने मध्यम मार्ग कैसे अपनाया?

[RBSE-2022, Model Paper-2023]



योजना आयोग

I. स्थापना

- स्थापना: मार्च 1950
- भारत सरकार द्वारा एक प्रस्ताव के माध्यम से स्थापित।
- यह संविधान द्वारा स्थापित निकाय नहीं था।
- भूमिका: सलाहकार
- इसकी सिफारिशें तभी प्रभावी होती थीं जब मंत्रिमंडल मंजूरी देता था।

II. योजना आयोग से जुड़े उद्देश्य

राज्य की नीतियाँ ऐसी हों कि:

(क) स्त्री और पुरुष सभी नागरिकों को आजीविका के पर्याप्त साधनों का समान अधिकार मिले।

(ख) समुदाय के भौतिक संसाधनों की मिल्कियत और नियंत्रण का वितरण सर्वसामान्य की भलाई के लिए हो।

(ग) अर्थव्यवस्था इस प्रकार संचालित न हो कि:

- धन
- उत्पादन के साधन कुछ स्थानों पर केंद्रित हो जाएँ और जनसामान्य की भलाई बाधित हो।

III. योजना आयोग से नीति आयोग

- योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग की स्थापना हुई।
- पूर्ण नाम: राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्था
- अस्तित्व में आया: 1 जनवरी 2015।

IV. नियोजन

(A) मूल सहमति

- विकास का काम पूरी तरह निजी हाथों में नहीं छोड़ा जा सकता।
- सरकार को विकास का खाका/योजना बनाना चाहिए।

(B) विश्व स्तर पर नियोजन के समर्थन के कारण

- यूरोप का महामंदी का अनुभव।
- जापान और जर्मनी द्वारा युद्ध के बाद अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माण।
- सोवियत संघ की 1930 और 1940 के दशकों की आर्थिक प्रगति।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



C. बॉम्बे प्लान

(i) ❖ वर्ष: 1944

(ii) ❖ कुछ उद्योगपतियों ने मिलकर नियोजित अर्थव्यवस्था का प्रस्ताव तैयार किया।

इसे 'बॉम्बे प्लान' कहा गया।

❖ मुख्य विचार:

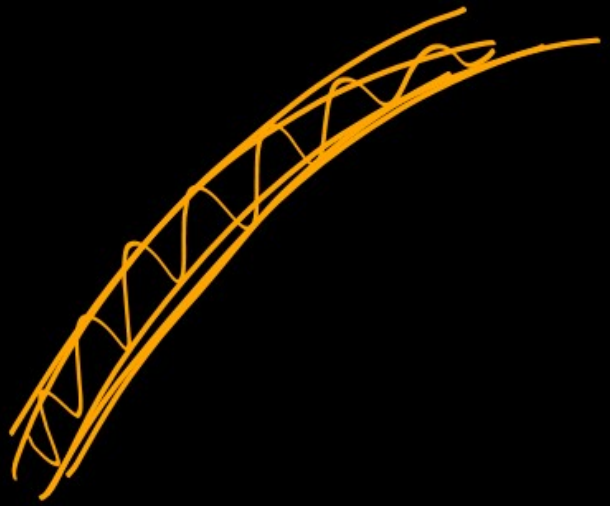
सरकार औद्योगिक तथा अन्य आर्थिक निवेश के क्षेत्रों में बड़े कदम उठाए।

उस समय:

- वामपंथी,
- दक्षिणपंथी दोनों ही नियोजित अर्थव्यवस्था की दिशा के समर्थक थे।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



V. योजना आयोग की भूमिका

- प्रधानमंत्री योजना आयोग के अध्यक्ष बने।
- भारत के विकास का:
  - रास्ता
  - रणनीति तय करने में योजना आयोग की केंद्रीय और प्रभावशाली भूमिका रही।

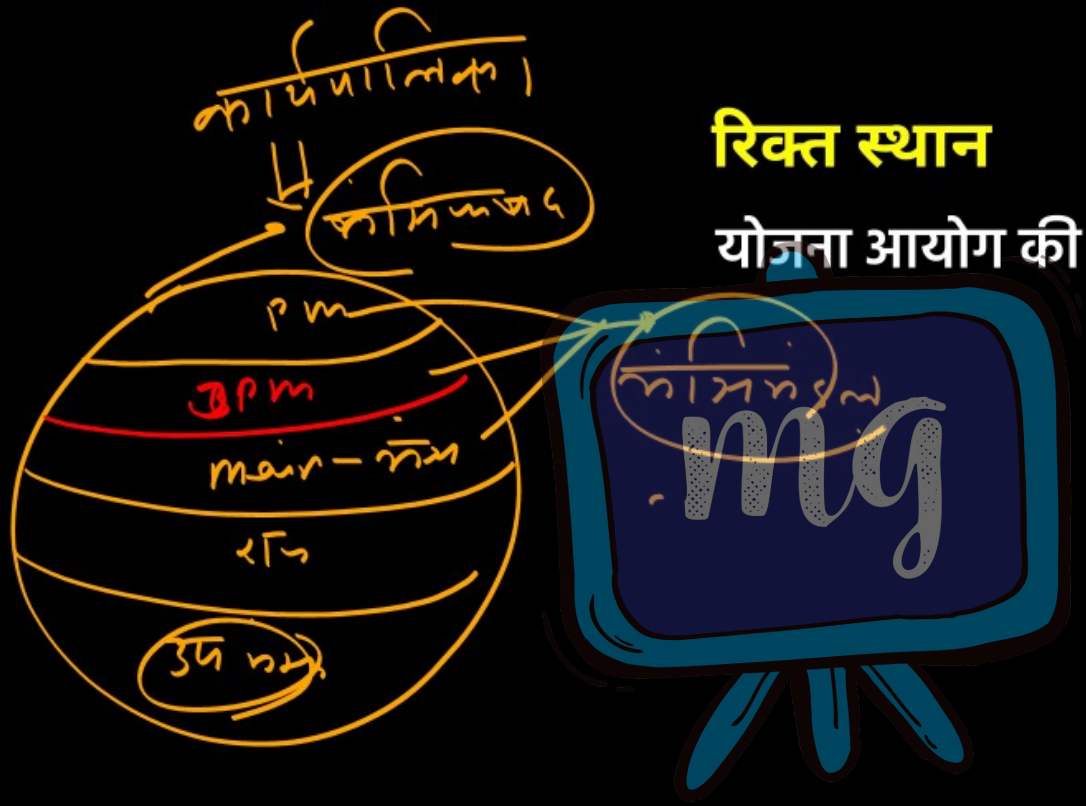
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

रिक्त स्थान



उद्योगपतियों के नियोजित अर्थव्यवस्था प्रस्ताव को _____ कहा जाता है। [RBSE-2023]



रिक्त स्थान

योजना आयोग की स्थापना सन् _____ में हुई।

[RBSE-2023]

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

योजना आयोग के स्थान पर कौन-सी संस्था बनाई गई?

[Model Paper-2026]



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

नियोजन से क्या समझते हैं? [Model Paper-2024]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1944 के उद्योगपतियों के प्रस्ताव का नाम था—

[RBSE-2026]



लघूत्तरात्मक प्रश्न

बॉम्बे प्लान की मूल अवधारणा क्या थी?

[RBSE-2024]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

योजना आयोग को कार्य करते समय किन बातों का ध्यान रखना था?

[RBSE-2026]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. शुरुआती कदम

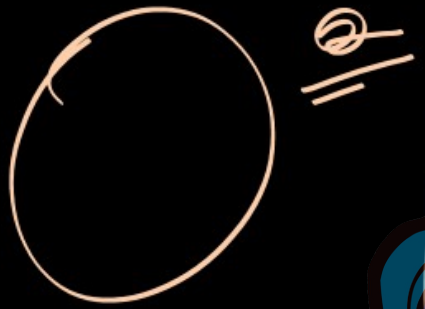
I. पंचवर्षीय योजनाएँ

A. मूल विचार

- भारत ने सोवियत संघ की तरह पंचवर्षीय योजना की व्यवस्था अपनाई।
- सरकार अगले पाँच वर्षों के लिए तैयार करेगी:
  - आमदनी → खर्च → प्राथमिकताएँ → विकास कार्यक्रम

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



II. सरकारी बजट का विभाजन

A. गैरयोजना व्यय

- वार्षिक आधार पर दैनिक मदों पर व्यय।

B. योजना व्यय

- पंचवर्षीय योजना की प्राथमिकताओं के अनुसार पाँच वर्षों में व्यय।

C. लाभ

- सरकार के सामने अर्थव्यवस्था की समग्र तस्वीर रहती थी।
- सरकार लंबी अवधि के हस्तक्षेप कर सकती थी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

III पंचवर्षीय योजनाओं का क्रम

A. प्रथम पंचवर्षीय योजना

- प्रारूप: 1951
- वास्तविक दस्तावेज: नवंबर 1951

B. दूसरी पंचवर्षीय योजना

प्रारंभ: 1956

नियोजन को लेकर उत्साह अपने चरम पर पहुँचा।

C. तीसरी पंचवर्षीय योजना

1961

नियोजन संबंधी उत्साह जारी रहा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

D. चौथी पंचवर्षीय योजना

- 1966 से प्रारंभ होनी थी।
- गहरे आर्थिक संकट के कारण पंचवर्षीय योजना को कुछ समय के लिए विराम दिया गया।



mg

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

IV. प्रथम पंचवर्षीय योजना (1951–1956)

शॉल्ट धरती

A. मुख्य उद्देश्य

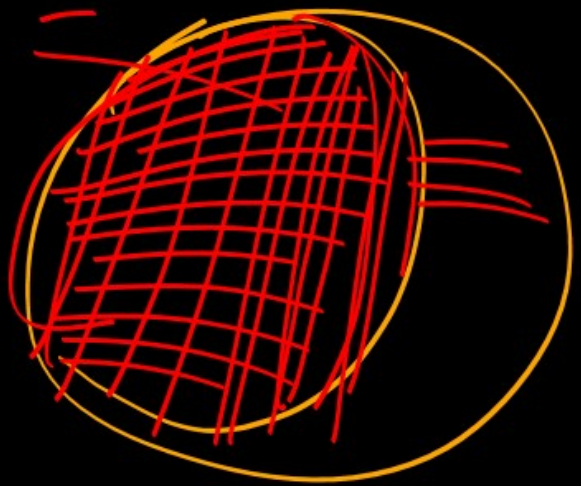
- देश को गरीबी के मकड़जाल से बाहर निकालना।

B. प्रमुख अर्थशास्त्री

- के.एन. राज

के.एन. राज का तर्क

- भारत को अगले दो दशकों तक विकास की चाल धीमी रखनी चाहिए।
- अत्यधिक तेज विकास अर्थव्यवस्था के लिए नुकसानदायक हो सकता था।



C. प्रथम योजना की प्राथमिकताएँ

1. कृषि पर विशेष जोर

कारण:

- विभाजन से कृषि क्षेत्र को गहरी क्षति पहुँची थी।

प्रमुख निवेश

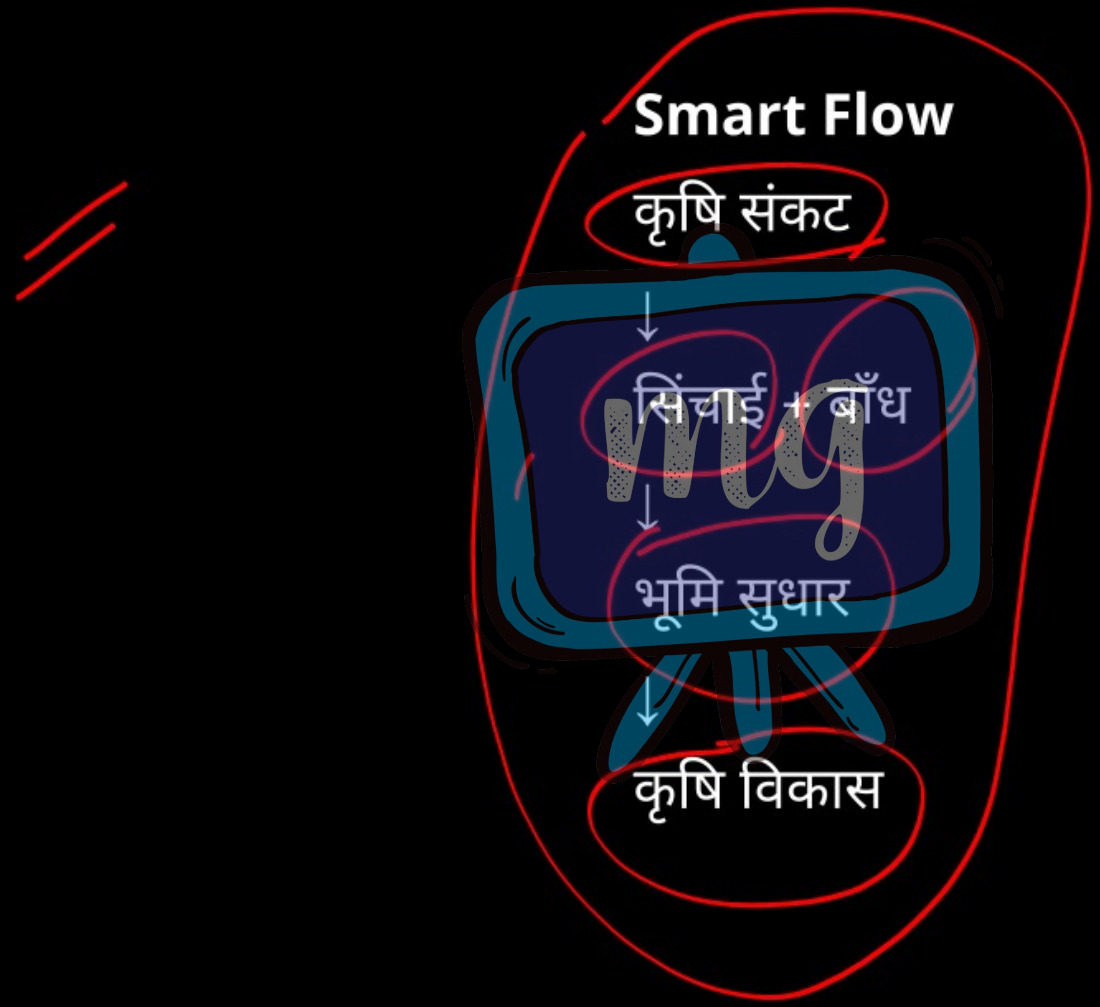
- बाँध
- सिंचाई
- भाखड़ा-नांगल जैसी विशाल परियोजनाएँ।

भूमि सुधार

- भूमि वितरण का मौजूदा ढाँचा कृषि विकास की बड़ी बाधा माना गया।
- इसलिए भूमि-सुधार को विकास की बुनियादी आवश्यकता माना गया।

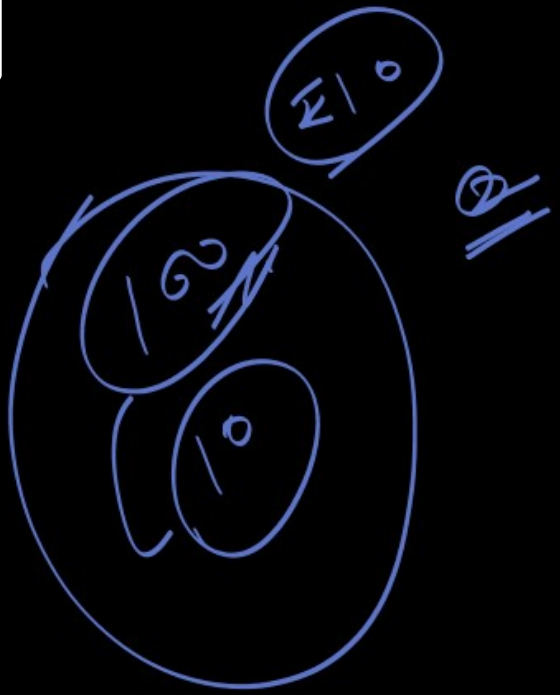
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



राष्ट्रीय आय और बचत - योजनाकारों का मूल लक्ष्य

राष्ट्रीय आय का स्तर बढ़ाना, इसके लिए:

- लोगों की बचत, खर्च से अधिक होनी चाहिए।

कठिनाई

- 1950 के दशक में खर्च पहले ही बहुत कम था।
- रोजगार योग्य लोगों की तुलना में देश में पूँजी-भंडार कम था।

परिणाम

- तीसरी पंचवर्षीय योजना तक लोगों की बचत बढ़ी।
- लेकिन वृद्धि अपेक्षा के अनुरूप नहीं थी।
- 1960 के दशक से 1970 के शुरुआती वर्षों तक बचत की मात्रा में कमी आई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

भारत ने पंचवर्षीय योजना का विकल्प कहाँ से लिया?

[RBSE-2025]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रथम पंचवर्षीय योजना से जुड़े प्रमुख अर्थशास्त्री कौन थे?

[RBSE-2025]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रथम पंचवर्षीय योजना में किस क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई?

[Model Paper-2026]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रथम पंचवर्षीय योजना कब शुरु हुई?

[RBSE-2023]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

प्रथम पंचवर्षीय योजना पर विचार व्यक्त कीजिए।

[RBSE-2022]



दूसरी पंचवर्षीय योजना

I. प्रमुख प्राथमिकता

- भारी उद्योगों का विकास

II. प्रमुख योजनाकार

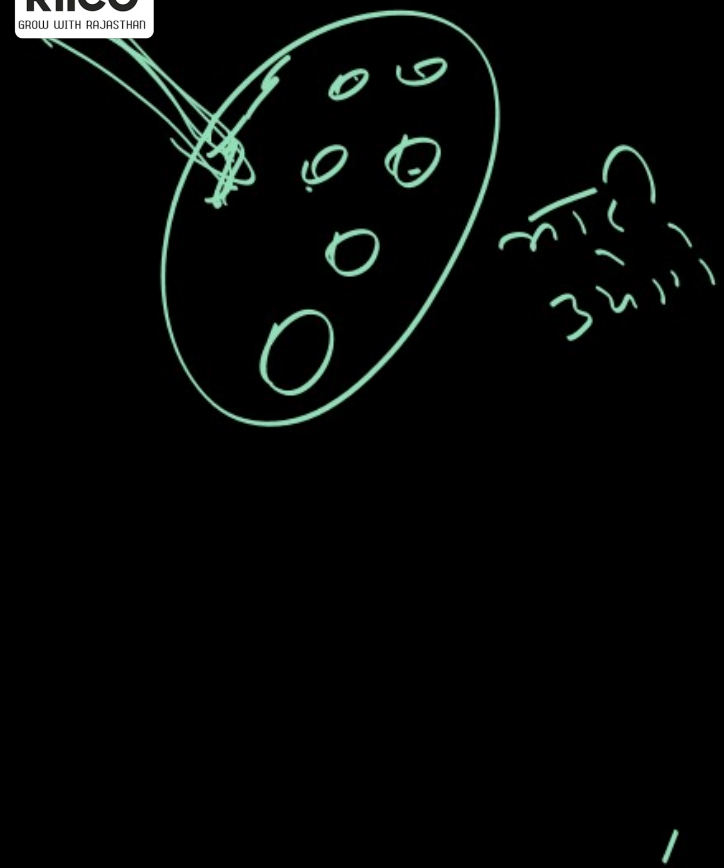
- पी.सी. महालनोबिस

III. प्रथम बनाम द्वितीय योजना

- प्रथम योजना
  - → धीरज
  - → कृषि पर जोर
- दूसरी योजना
  - → तेज संरचनात्मक परिवर्तन
  - → भारी उद्योगों पर जोर

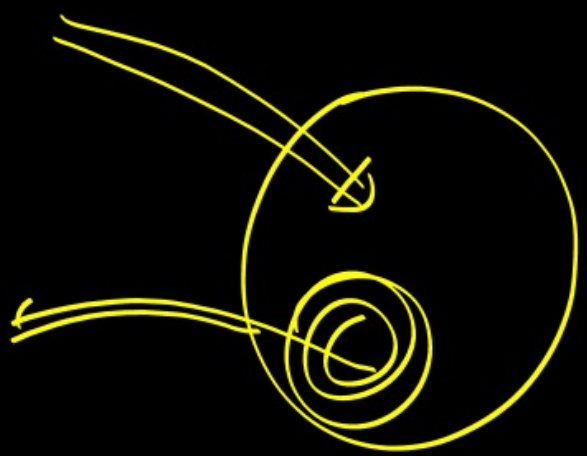
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



IV. औद्योगीकरण की नीति

- सरकार ने घरेलू उद्योगों की सुरक्षा के लिए आयात पर भारी शुल्क लगाया।
- संरक्षण से:
  - निजी उद्योगों,
  - सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों को आगे बढ़ने में मदद मिली।
- सार्वजनिक क्षेत्र में विकसित उद्योग
  - बिजली
  - रेलवे
  - इस्पात
  - मशीनरी
  - संचार
- इस औद्योगीकरण ने भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास को नया आयाम दिया।



V. औद्योगीकरण से जुड़ी समस्याएँ

A. तकनीकी पिछड़ापन

- भारत प्रौद्योगिकी की दृष्टि से पिछड़ा था।

B. विदेशी मुद्रा पर दबाव

- विदेशी प्रौद्योगिकी खरीदने में बहुमूल्य विदेशी मुद्रा खर्च हुई।

C. कृषि की उपेक्षा

- उद्योगों ने कृषि की तुलना में अधिक निवेश आकर्षित किया।

D. खाद्यान्न संकट

- खाद्यान्न संकट की आशंका उत्पन्न हुई।

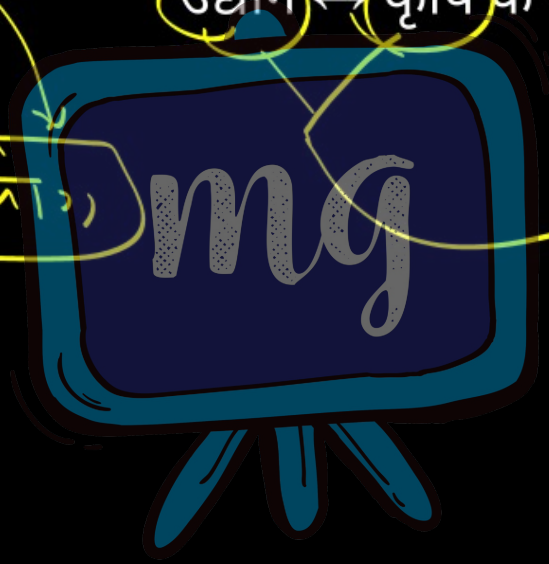
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

VI. मुख्य चुनौती

उद्योग ↔ कृषि के बीच संतुलन स्थापित करना

कृषि = उद्योग



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पी.सी. महालनोबिस

- जन्म-मृत्यु: 1893–1972
- अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक और सांख्यिकीविद्।
- भारतीय सांख्यिकी संस्थान के संस्थापक — 1931।
- दूसरी पंचवर्षीय योजना के योजनाकार।
- समर्थक:
  - तीव्र औद्योगीकरण
  - सार्वजनिक क्षेत्र की सक्रिय भूमिका

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पहली और दूसरी पंचवर्षीय योजना में आबंटन		
विकास मद	पहली योजना (%)	दूसरी योजना (%)
कृषि एवं सामुदायिक विकास	15.1	11.8
सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	17.0	10.1
उद्योग एवं खनन	7.6	18.5
परिवहन एवं संचार	23.6	28.9
ऊर्जा	11.1	8.9
सामाजिक सेवाएँ	22.6	19.7
अन्य	3.0	2.1

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

प्रमुख प्रवृत्ति

पहली योजना

→ कृषि + सिंचाई पर अधिक जोर

दूसरी योजना

→ उद्योग + परिवहन-संचार की हिस्सेदारी में वृद्धि

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

योजना रणनीति की आलोचनाएँ

कुछ आलोचकों के अनुसार:

- योजना रणनीतियाँ धीरे-धीरे शहरों की तरफदारी करती दिखाई दीं।
- कृषि की जगह उद्योग को प्राथमिकता देना गलत माना गया।
- कुछ लोग भारी उद्योगों की जगह कृषि-आधारित उद्योगों पर अधिक जोर चाहते थे।

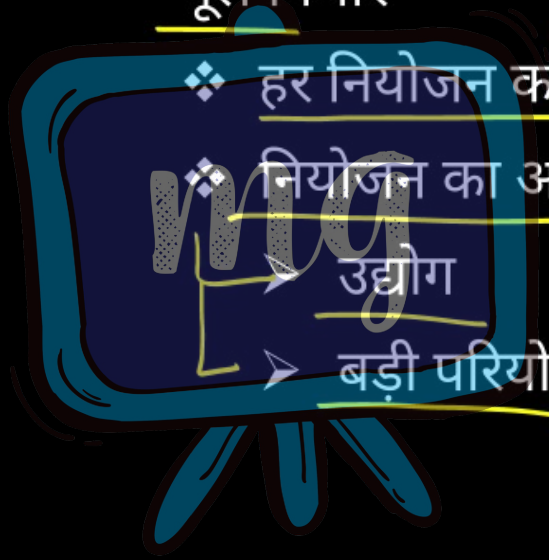
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

विकेंद्रित नियोजन

मूल विचार

- हर नियोजन का केंद्रीकृत होना आवश्यक नहीं।
- नियोजन का अर्थ केवल:
  - उद्योग
  - बड़ी परियोजनाएँ नहीं होता।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

लघूत्तरात्मक प्रश्न

दूसरी पंचवर्षीय योजना के योजनाकार कौन थे?

[RBSE-2024]



द्वितीय पंचवर्षीय योजना कब प्रारंभ हुई?

[RBSE-2025]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

केरल मॉडल

केरल में विकास और नियोजन के रास्ते को 'केरल मॉडल' कहा गया।

प्रमुख प्राथमिकताएँ

1. शिक्षा
2. स्वास्थ्य
3. भूमि सुधार
4. कारगर खाद्य वितरण
5. गरीबी उन्मूलन

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रमुख विशेषताएँ

- प्रति व्यक्ति आय अपेक्षाकृत कम।
- औद्योगिक आधार तुलनात्मक रूप से कमजोर।
- इसके बावजूद:
  - साक्षरता शत-प्रतिशत।
  - आयु प्रत्याशा में वृद्धि।
  - शिशु मृत्यु-दर कम।
  - मातृ मृत्यु-दर कम।
  - जन्म-दर कम।
  - चिकित्सा सुविधाएँ अधिक।

नव लोकतांत्रिक पहल

- अवधि: 1987–1991
- सरकार ने 'नव लोकतांत्रिक पहल' अभियान चलाया।

उद्देश्य

- लोगों को स्वयंसेवी नागरिक संगठनों के माध्यम से विकास गतिविधियों में प्रत्यक्ष रूप से शामिल करना।
- लोगों को योजनाएँ तैयार करने में भागीदारी देना।

स्तर

पंचायत → प्रखंड → जिला

रिक्त स्थान

केरल में विकास और नियोजन का रास्ता _____ मॉडल कहलाया।

[Model Paper-2026]

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

केरल मॉडल से क्या अभिप्राय है?

[RBSE-2026]



जे.सी. कुमारप्पा

- जन्म-मृत्यु: 1892–1960
- वास्तविक नाम: जे.सी. कॉर्नेलियस
- अर्थशास्त्री एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट।
- इंग्लैंड एवं अमेरिका में शिक्षा।
- महात्मा गांधी के अनुयायी।
- गांधीवादी आर्थिक नीतियों को लागू करने का प्रयास।
- पुस्तक: 'इकॉनॉमी ऑफ परमानेंस'
- योजना आयोग के सदस्य के रूप में नियोजन प्रक्रिया में भागीदारी।

प्रथम एवं द्वितीय पंचवर्षीय योजना — एक नजर में		
आधार	प्रथम पंचवर्षीय योजना	द्वितीय पंचवर्षीय योजना
अवधि	1951–1956	1956 से प्रारंभ
प्रमुख जोर	कृषि	भारी उद्योग
मूल दृष्टि	धीरज	तेज संरचनात्मक बदलाव
प्रमुख व्यक्ति	के.एन. राज	पी.सी. महालनोबिस
मुख्य क्षेत्र	बाँध, सिंचाई, भूमि सुधार	बिजली, रेलवे, इस्पात, मशीनरी, संचार
रणनीति	कृषि पुनर्निर्माण	तीव्र औद्योगीकरण